

# KEM doc dedicates his Saarc award to Dr Patil

TIMES NEWS NETWORK

**Mumbai:** A civic hospital doctor has bagged the Saarc Youth Award 2009 for his contribution towards the rehabilitation work in flood-hit Bihar in 2008. He has dedicated the award to a fellow doctor who died during the mission after being struck by a lightning.

Dr Ravikant Singh, a resident doctor from KEM Hospital in Parel, spent more than six months coordinating Mumbai youths' efforts in providing medical and humanitarian aid to flood-hit people in six districts of Bihar. Incidentally, this was the relief operation in which one of the Mumbai resident doctors, Dr Chandrakant Patil, lost his life after being struck by a lightning in September 2008. The effort was organised under the banner of Doctors For You.

At a press conference held in the city on Tuesday, Dr Singh said that he was dedicating the Saarc award to KEM Hospital "for his education" and Dr Patil "without whom I would not have got the support, both emotional and physical, for the relief operation".



**A NOBLE CAUSE:** Dr Ravikant Singh stands in front of a photo of the late Dr Chandrakant Patil

**Dr Ravikant Singh spent more than six months coordinating Mumbai youths' efforts in providing medical and humanitarian aid to flood-hit people in six districts of Bihar**

"I hail from Bihar and the moment I heard that Bihar villages were flooded after a dam breach in Nepal, I wanted to go

and help out. Dr Chandrakant Patil was with me throughout the process, speaking to other resident doctors to join us, applying for leave, etcetera. In fact, he told me that he would join me in the mission even if our leave applications were rejected," he said.

The young doctor died on the fifth day of his stay in Bihar, but some of his friends stayed on to treat patients. In his memory, they tied up with NGO Mercy Malaysia to set up a mother and child clinic in Bihar which has since treated over 30,000 people and 950 pregnant women.

Dr Singh will receive the award in Thimpu, Bhutan, on April 27. "I hope the award will help in creating awareness about the need for a regional response centre. If we have such a team in Saarc, we won't need to wait until teams from the US and the UK come in," said Dr Singh, who wants to work towards setting up such a centre.

KEM Hospital dean Dr Sanjay Oak said that he was proud that his student had made such a meaningful contribution to society.

## केईएम के डॉक्टर को सार्क अवार्ड

नप्र ॥ मुम्बई

आपदा स्थितियों में सराहनीय काम करने के लिए केईएम अस्पताल के डॉक्टर रविकान्त रघुवंश सिंह को साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कॉपरेशन (सार्क) ने सार्क यूथ अवार्ड-2009 के पुरस्कार के लिए चयन किया है। पुरस्कार

■ आपदा स्थितियों में किए सराहनीय कार्य के लिए चयन

■ भूटान की राजधानी थिम्पू में 27 अप्रैल को दिया जाएगा पुरस्कार

स्वरूप उन्हें तीन हजार अमेरिकी डॉलर, गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। उन्हें यह पुरस्कार 27 अप्रैल को भूटान की राजधानी थिम्पू में दिया जाएगा। डॉ. सिंह ने यह पुरस्कार अपने सहयोगी व धुलिया निवासी डॉ. चंद्रकांत उमाकांत पाटील को समर्पित किया है, जिनकी विहार में बाढ़ पीड़ितों की मदद के दौरान बिजली गिरने से मौत हो गई थी।

सन 2008 में विहार में भयानक बाढ़ आई थी। बाढ़ से पीड़ित लोगों की मदद करने तथा उन्हें मेडिकल सुविधा मुहैया कराने के लिए मुम्बई से केईएम अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम 'डॉक्टर फार यू' नामक संगठन के बैनर विहार गई थी।

के लिए सभी लोग अपने-अपने कैम्प में चले गए। वह 21 सितम्बर, 2008 की रात थी और उस रात आसमान में बिजली चमक रही थी। रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास डॉ. चंद्रकांत पाटील के कैम्प पर आसमान से बिजली गिरी और डॉ. पाटील की वहीं पर ही मृत हो गई। इस हादसे ने सभी डाक्टरों को हिलाकर रख दिया। डॉ. रविकान्त, डॉ. पाटील का



शव लेकर पहले मुम्बई आए और मुम्बई से फिर धुलिया चले गए। इतना सब होने के बावजूद भी डॉ. रविकान्त ने हार नहीं मानी और डॉ. पाटील के सदमे से उबरने के बाद फिर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विहार चले गए। वे वहां पर छह महीने से ज्यादा समय तक रहे

और इस दरमियान उन्होंने 350 से ज्यादा कैम्पों में भाग लिया। करीब एक लाख 30 हजार बाढ़ पीड़ितों का उपचार किया। डॉ. सिंह के इस सराहनीय काम की बदौलत ही उनका नाम नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के डॉक्टरों की पैनल में बतौर सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। उनके सराहनीय काम को सार्क पुरस्कृत करते जा रही है। उन्हें सार्क यूथ अवार्ड-2009 पुरस्कार देने के लिए चयन किया गया है।

इस पुरस्कार के बाबत डॉ. रविकान्त कहते हैं कि सार्क का यह पुरस्कार अपने मित्र, सहयोगी डॉ. चंद्रकांत को